

## संस्कृतविभाग के राष्ट्रीय एवं राज्य सम्मानों की घोषणा

### चर्चा में क्यों?

21 दिसंबर, 2022 को मध्य प्रदेश संस्कृतविभाग ने वर्ष 2021 के राज्य शिखर सम्मानों की घोषणा कर दी गई है। इसमें राष्ट्रीय एवं राज्य शिखर सम्मान दिये जाएंगे।

### प्रमुख बंदि

- मध्य प्रदेश संस्कृतविभाग के संचालक अदति कुमार तरपाठी ने बताया कि संस्कृतविभाग द्वारा प्रतविर्ष कला, संस्कृत, साहित्य, संगीत की विभिन्न वधियाँ में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर सम्मान प्रदान किया जाता है। विभाग द्वारा इन राष्ट्रीय एवं राज्य सम्मानों से मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतषिठापति किया गया है।
- राज्य शिखर सम्मान के लिये चयनति सभी कलाकार एवं साहित्यकारों को सम्मानस्वरूप एक-एक लाख रुपए की सम्मान राशि, सम्मान पट्टिका एवं शॉल-श्रीफल प्रदान किया जाता है।
- राज्य शिखर सम्मान के लिये चयनति कलाकार/साहित्यकार हैं-
  - हनिदी साहित्य के लिये- डॉ. अश्विनी कुमार दुबे (इंदौर)
  - उरदू साहित्य के लिये- डॉ. नरेंद्र वीरमणा (इंदौर)
  - संस्कृत साहित्य के लिये- भगवतीलाल राजपुरोहति (उज्जैन)
  - शास्त्रीय संगीत के लिये- पं. श्रीधर व्यास (उज्जैन)
  - शास्त्रीय नृत्य के लिये- डॉ. वजिया शरमा (भोपाल)
  - रूपंकर कलाओं के लिये- अनलि कुमार (भोपाल)
  - नाटक के लिये- प्रशांत खरिवड़कर (भोपाल)
  - दुर्लभ वाद्य वादन के लिये- मुन्ने खाँ (भोपाल)
  - जनजातीय एवं लोक कलाओं के लिये- सावनी बाई (डडोरी)
- राष्ट्रीय सम्मानों के लिये चयनति कलाकार/साहित्यकार हैं-
  - राष्ट्रीय कबीर सम्मान- डॉ. श्याम सुंदर दुबे (हटा) (3 लाख रुपए)
  - राष्ट्रीय मैथिलीशरण गुप्त सम्मान- सदानंद गुप्त (गोरखपुर) (2 लाख रुपए)
  - राष्ट्रीय इकबाल सम्मान हैदराबाद के डॉ. सैयद तकी आबदी को (2 लाख रुपए)
  - राष्ट्रीय शरद जोशी सम्मान- डॉ. श्रीराम परहार (खंडवा) (2 लाख रुपए)
  - राष्ट्रीय नानाजी देशमुख सम्मान- जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल (डडोरी) (2 लाख रुपए)
  - राष्ट्रीय कुमार गंधर्व सम्मान- सुश्री रुक्मिणी वजिय कुमार (हैदराबाद) (25 लाख रुपए)
  - राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान- रवशंकर श्रीवास्तव (भोपाल) (1 लाख रुपए)
  - राष्ट्रीय नरिमल वरमा सम्मान- सुश्री शिखा वार्षणेय (लंदन) (1 लाख रुपए),
  - राष्ट्रीय फादर कामलि बुलके सम्मान- डॉ. हाइंस वेरनर वेसलर (डेनमारक) (1 लाख रुपए)
  - राष्ट्रीय गुणाकर मुले सम्मान- जयंत वषिणु नार्लीकर (कोल्हापुर) (1 लाख रुपए)
  - राष्ट्रीय हनिदी सेवा सम्मान- अजीत वडनेरकर (भोपाल) (एक लाख रुपए)।